साल 7 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-9 अप्रैल-2025 पृष्ठ-28 मूल्य : ₹ 20.00

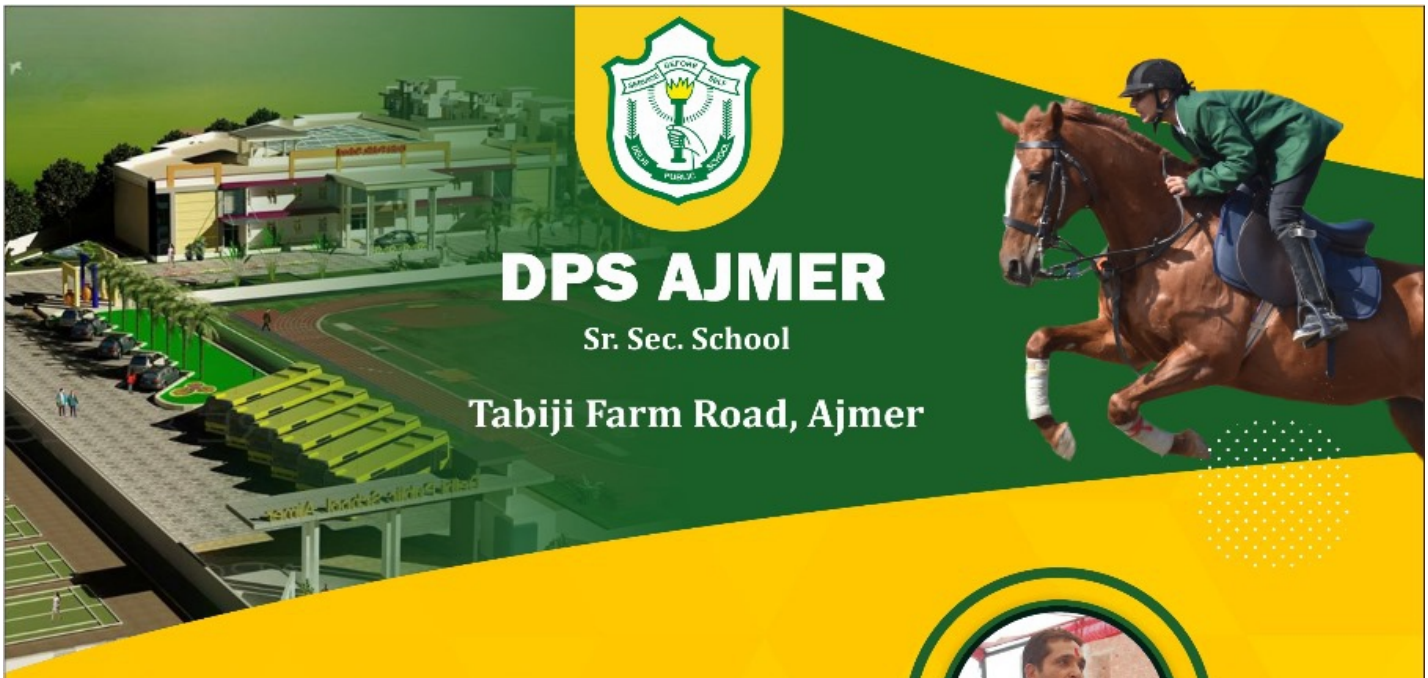

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक** : रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

प्रकृति ने इस धरती पर जीव-जन्तु, पशु-पक्षी, मानव, वनस्पति इत्यादि का सृजन किया है, इनमें से कोई भी बेकार नहीं है। इनमें कोई न कोई श्रेष्ठता अवश्य है। ये मानव को दिये गये अनुपम उपहार हैं। हम इनका सम्यक नियोजन करके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं इसलिए प्रकृति प्रदत्त व ईश्वर प्रदत्त इन साधनों का उपयोग संतुलित रूप से तथा सकारात्मक रूप से करके अपना कायाकल्प किया जा सकता है। हमारे ऋषियों-मुनियों ने अनेक वर्षों तक तपस्या करके इन रहस्यों को जाना और मानव समाज को बताया। अनेक ग्रन्थों की रचनाएं की जिनमें वनस्पति से चिकित्सा, अंतरिक्ष एवं खगोल विज्ञान, आध्यात्मक से सम्बन्धित है। आज हमारे वेद, गीता तथा अनेक दुलर्भ ग्रन्थों पर विश्व में शोध किया जा रहा है तथा हमारी सनातन संस्कृति को अच्छा मानकर अपनाया जा रहा है, यह शुभ संकेत हैं।

जीवन में आगे बढ़ने का अवसर सभी को अवश्य मिलता है जो इसका समय पर सदुपयोग कर लेते हैं वे उनका जीवन आनन्द, उत्साह, हर्ष, प्रेरणा, सौहार्द, जिज्ञासा, प्रेम, शांति एवं विकास से भर जाता है। आलस्यवश अवसर का उपयोग नहीं करने वाले इससे वंचित हो जाते हैं। वहीं अवसर का उपयोग विध्वंश के लिए करने वाले आगे जाकर अपना ही विनाश करते हैं तथा उनके जीवन में पीड़ा, घृणा, असंतोष तथा पश्चाताप के अतिरिक्त कुछ नहीं रहता। अवसर का उपयोग कैसे किया यही हमारा चरित्र और व्यक्तित्व का निर्धारण करता है।

धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि अनेक योनियों में भटकने के बाद हमें यह मानव जीवन मिला है। इस जन्म में व्यक्ति अपने सद्विचार एवं सद्कर्म करके समाज को अच्छा बना सकता है तथा ईश्वर भक्ति करके ईश्वर एवं मोक्ष भी पा सकता है। जैसे भक्त प्रहलाद, मीराबाई, बुद्ध, महावीर, नानक, रैदास आदि। यदि हम इतना भी न कर सकें तो अहंकार, क्रोध, वैमनस्य, घृणा जैसी बुराइयों से बचे और करुणा, विनय, क्षमा, सत्य, त्याग, संयम जैसी अच्छाइयों को जीवन में अपना कर समाज उत्थान में सहायक बनें। जीवन की खुशहाली के लिए छोटी-छोटी खुशियां मायने रखती हैं। हमें सफलता तथा असफलता को स्वीकार करना सीखना होगा तब ही हम खुश रह सकते हैं। जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना तथा दूसरों से अच्छे सम्बन्ध बनाकर रखने से जीवन में संतुलन बना रहता है, जो जीवन जीने का मकसद देता है। इसलिए थोड़े से स्वार्थ एवं क्षणिक सुख के लिए किसी के दिल को ठेस नहीं पहुंचाएं बल्की अच्छी वाणी से सभी के हृदय में जगह बनाएं। ऐसा करके अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं तथा खुशहाल जीवन जीया जा सकता है।

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
पवन कुमार कुमावत	5
महेश कुमार कुमावत	5
मेघना कुमावत महिला एवं बाल विकास समिति सदस्य नियुक्त	5
माइक्रो आर्टिस्ट श्री रामसिंह राजोरिया को राजस्थान गौरव अवार्ड	6
चंचल कुमावत केसी वूमन ऑफ द ईयर	6
डॉ. ललित कुमावत ने MD की	6
त्रिवेणी धाम में 12 जोडों का परिणय हुआ	7
निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन	7
राममंदिर, अयोध्या के मुख्यशिखर पर कलश स्थापित	7
वास्तुकला में कुमावत समाज की तीन पीढ़ियों का अमूल्य योगदान	8
शादी कार्ड पर लिखनी होगी वर-वधू की जन्मतिथि	8
चाकसू में सामूहिक विवाह 5 मई को	8
मनीष को केसरिया हिन्दु वाहिनी की कमान	8
जातीय दिवस एवं स्थापना दिवस मनाया	9
इन्दौर में कुमावत समाज का होली मिलन समारोह	9
महाराष्ट्र में अब कुमावत को ओबीसी आरक्षण	9
चौथ का बरवाड़ा विकास समिति की कार्यकारिणी गठित	9
ईशिता कुमावत को पीजी (बॉटनी) में गोल्ड मैडल	9
मोटापा एक रोग	10
भूरी देवी ने खनन माफिया के खिलाफ उठाई कुल्हाड़ी	10
कुमावत छात्रावास जयपुर को मिला आर्थिक सहयोग	10
शौर्य और पराक्रम के धनी महाराणा प्रताप	11
अनुपम है कुमावत समाज, दातोदा का श्रीराम मंदिर	11
मनोज कुमार, फिल्म अभिनेता	12
ढूंढिये वजह मुस्कुराने की-5	12
मोहन बालोदिया का 116वाँ गोल्डन ऐरा शो सम्पन्न	13
संतोष, होस्टल सुपरिटेण्डेन्ट नियुक्त	13
बरखा ने जीता कांस्य पदक	13
प्रभुदयाल, भारत विकास परिषद के सहप्रभारी नियुक्त	13
डॉ. पवन बासनीवाल को टीचर ऑफ द ईयर अवार्ड	13
परिन्डा अभियान	14
विशाखा कुमावत रिंगस भाजपा मण्डल अध्यक्ष	14
आकांक्षा (कुमावत) सहायक लेखाधिकारी IInd पद पर पदोन्नत	14
कुमावत बंधु भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में चयनित	14
शकुन्तला नाईक का निधन	16
मातृ दिवस	17
इंजीनियरिंग का चमत्कार 'पंबन ब्रिज'	17
9वें गुरु तेग बहादुर का प्रकाश पर्व	17
बुद्ध पूर्णिमा: एक दिन खुद से मिलने का	18
नेकी कर दरिया में डाल	18
वहाट्सएप को यूं निखारे	19
गीता तथा भरतमुनि का नाट्य शास्त्र यूनेस्को की सूची में	19
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	20
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	21
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	22

मेघना कुमावत

नगर निगम जयपुर हैरिटेज में महिला एवं बाल विकास समिति की सदस्या बनने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

पति : दिलीप वर्मा

सास-ससुर : श्रीमती आरोही देवी- मेजर बी.एल. वर्मा

बहन-बहनोई : श्रीमती अरुणा कुमावत-चंद्र प्रकाश जी वर्मा

पुत्रियां : दिविता वर्मा और लावण्या वर्मा

DIVERSE WEB STRATEGY PRIVATE LIMITED

B-1, Yash Colony, Civil Lines, opposite Ram Mandir, Jaipur

पवन कुमार कुमावत

किशनगढ़ के श्री पवन कुमार कुमावत MA, B.Ed ने अपना जीवन चित्रकला को समर्पित कर दिया है। इनके कला जीवन की यात्रा निम्न प्रकार है:-

अवार्ड्स : ■ राजस्थान ललित कला एकेडमी 2001, 2008, 2024 ■ SCZCC नागपुर, 2000 नेशनल अवार्ड ■ राष्ट्रीय कालीदास अकादमी 2005, 2010, 2014, जयपुर अन्तर्राष्ट्रीय आर्ट फेस्टिवल 2012, ■ आर्टिस्ट ऑफ द डे अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार मेला कमेटी-2012 ■ राजस्थान ललित कला अकादमी (स्टूडेन्ट) अवार्ड 1991 ■ प्रोढ़ शिक्षा निदेशालय अवार्ड पोस्टर कम्पिटिशन ■ संस्कृति संवर्धन सम्मान, 2022 ■ आजादी का अमृत महोत्सव, ■ उत्सव मंच, अजमेर अवार्ड ■ विश्व पर्यावरण दिवस, 2013 पर अजमेर म्यूजियम द्वारा सम्मानित इत्यादि अन्य अवार्ड्स।

श्री पवन कुमार कुमावत ने अनेक आर्ट्स कैम्प में भाग लिया है तथा इनकी एकल व ग्रुप पेंटिंग्स को देश-विदेश में सराहा गया है। ये स्कूल प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्त हैं। हाल ही में जवाहर कला केन्द्र में आपने अपने चित्रों की प्रदर्शनी लगाई एवं लाइव डेमो दिया।

महेश कुमार कुमावत

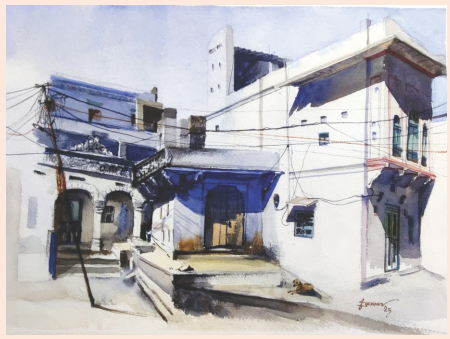

किशनगढ़ के महेश कुमार कुमावत, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय पिण्डवाड़ा (सिरोही) में कार्यरत है। इन्होंने अपनी पेंटिंग्स की प्रदर्शनी जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में लगाई है। जिन्हें दर्शकों द्वारा सराहा गया। ये किशनगढ़ के निवासी हैं एवं प्रतिभावान व उम्दा आर्टिस्ट हैं। इन्हें निम्न पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है:-

राष्ट्रीय कालीदास पुरस्कार-2007, राजस्थान ललित कला अवार्ड (स्टूडेन्ट केटेगरी) 2003 एवं 2004, राजीव गांधी के 75वें जन्म दिवस पर पेंटिंग, राजस्थान ललित कला अकादमी प्रतियोगिता 2020 पुरस्कार, राजस्थान ललित कला अकादमी राज्य पुरस्कार, 2023। इन्होंने अनेक वर्कशॉप में हिस्सा लिया तथा लैण्डस्केप डेमोस्ट्रेशन दिया है।

मेघना कुमावत महिला एवं बाल विकास समिति सदस्य नियुक्त

मेघना कुमावत को नगर निगम जयपुर हैरिटेज की महिला एवं बाल विकास समिति में सदस्य नियुक्त किया गया है। ये सिविल लाइंस मंडल महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष के रूप में लंबे समय से समाजसेवा में सक्रिय हैं। इनकी यह नियुक्ति महिला सशक्तिकरण, बाल विकास एवं सामाजिक नेतृत्व की दिशा में सशक्त कदम है।

समर्पित कार्यकर्ताओं को जब जिम्मेदारी मिलती है, तो समाज बदलता है। इनके सामाजिक सुधार पर अनेक लेख 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित हो चुके है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से **मेघना कुमावत** को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

31 मार्च को मूर्तिकार नरेश कुमावत को बागेश्वर धाम सरकार के पावन धाम में दर्शन और पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। परम पूज्य आचार्य श्री धीरेंद्र शास्त्री जी से आशीर्वाद मिलना एक दिव्य अनुभूति रही। उनकी ओजस्वी वाणी और आध्यात्मिक ऊर्जा ने मन को गहराई से स्पर्श किया। जय श्री हनुमान!

माइक्रो आर्टिस्ट श्री रामसिंह राजोरिया को राजस्थान गौरव अवार्ड

दुनिया की सबसे छोटी हस्तलिखित श्रीमदभगवदगीता और माइक्रो आर्ट में अदभुत काम के लिए राजस्थान गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह उनके लिए तथा कुमावत समाज के लिए बहुत गर्व और खुशी का क्षण था कि अन्य सामाजिक संस्थाएं भी हमारे आर्ट को समझ कर सम्मान कर रही है।

श्री राम सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल उनके समर्पण और जुनून की पहचान है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि कोई भी सपना छोटा नहीं होता।

इस तरह के भव्य और यादगार कार्यक्रम के आयोजन के लिए उन्होंने पंकज खटवानी और राम सिंह चौहान को दिल से धन्यवाद दिया और कहा कि इनका समर्थन और प्रोत्साहन उनके लिए बहुत मायने रखता है। वे रचनात्मकता और समर्पण की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए गहराई से वे सम्मानित और प्रेरित महसूस कर रहे है।

इसके बाद योगगुरु बाबा रामदेव जी से मिल कर विश्व की सूक्ष्मतम हस्तलिखित श्रीमदभगवतगीता का अवलोकन कराया। साथ ही बाबा रामदेव जी को चावल के एक छोटे से दाने पर उकेरे गए श्री गणेश जी के चित्र के साथ उनका नाम भेंट स्वरूप प्रदान किया।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में राजस्थान के महामहिम राज्यपाल श्री हरिभाऊ किशनराव जी, माननीय शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर जी, श्री किरोड़ी लाल मीणा जी, IPS श्री एन पी सिंह जी तथा भारतीय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

सभी ने इस अद्वितीय कला कृति को श्रद्धा और आदर भाव से देखा तथा डॉ. राजोरिया जी के कार्य की प्रशंसा की।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से माईक्रो आर्टिस्ट रामसिंह राजोरिया को हार्दिक बधाई।

चंचल कुमावत केसी वूमन ऑफ द ईयर

चंचल कुमावत एक जीवंत सामुदायिक नेता हैं, जिनके काम ने केसी में हज़ारों लोगों का उत्थान किया है। साथी एमएए एसोसिएशन के ज़रिए घरेलू हिंसा के पीड़ितों की मदद करने से लेकर चैरिटी थिएटर और उद्यमी बाज़ारों के आयोजन तक, सामाजिक बदलाव के प्रति उनके समर्पण ने उन्हें स्वयंसेवा और सशक्तिकरण के लिए कई पुरस्कार दिलाए हैं। इनमें है 2025 केसी कम्युनिटी ग्रुप ऑफ द ईयर पेनिनसुला कम्युनिटी लीगल सेंटर इंक.

यह प्रायद्वीप सामुदायिक कानूनी केंद्र इंक. (पीसीएलसी) एक गैर-लाभकारी संगठन है जो मेलबर्न के बाहरी दक्षिण-पूर्व में कमजोर और वंचित व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करता है। 1977 से, पीसीएलसी ने कानूनी सेवा वितरण, शिक्षा और कानून सुधार के माध्यम से सामाजिक न्याय की वकालत की है। इसका उद्देश्य कानूनी संसाधनों तक समान पहुँच सुनिश्चित करना और अपने समुदाय के सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना है।

इन्हें केसी पर्यावरण और स्थिरता चैंपियन पुरस्कार-2025 फियोना स्माल भी मिला है। फियोना ने पर्यावरण संरक्षण और कोआला की सुरक्षा के लिए असाधारण प्रतिबद्धता दिखाई है। कोआला कॉर प्रोजेक्ट के साथ साझेदारी करते हुए, फियोना ने 3,000 पेड़ लगाए हैं।

डॉ. ललित कुमावत ने MD की

डॉ ललित कुमावत S/o श्री मोहन लाल कुमावत जी राहौरिया निवासी छबड़ा जिला बारां (राजस्थान) ने RESPIRATORY MEDICINE में MD करके परिवार व समाज का नाम रोशन किया है।

डॉ ललित कुमावत के पिता श्री मोहन लाल कुमावत रिटायर्ड व्याख्याता हैं। बड़ा भाई लोकेश कुमावत MBA करके मैनेजर के पद पर कार्यरत है और छोटे भाई डॉ लालकृष्ण कुमावत ने MBBS कर ली है।

डॉ. ललित कुमावत को MD करने एवं डॉ. लालकृष्ण कुमावत को MBBS करने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

पवन कुमार चेजारा, पापड़ा, उदयपुरवाटी का सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (CHO) राजस्थान में चयन होने पर बधाई।

त्रिवेणी धाम में 12 जोडों का परिणय हुआ

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति, त्रिवेणी धाम, जयपुर द्वारा 16वां सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन त्रिवेणीधाम में किया गया।

इस अवसर पर 12 दूल्हों की भव्य बारात निकाली गयी जो कुमावत धर्मशाला पहुंची। वहा तोरण की रस्म हुई। इसके बाद आशीर्वाद तथा वर-वधुओं का वैदिक मंत्रोच्चारण एवं रीति-रिवाजों के साथ परिणय-सूत्र में बंधन हो अपने भावी जीवन में कदम रखा। समिति द्वारा वर-वधुओं को उपहार दिये गये।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मनीष यादव, व भाजपा नेता आशीष धनखड थे। समारोह की अध्यक्षता नारायण लाल दम्बीवाल ने की। अतिथियों में कृष्ण कुमार धुन्धारिया, विमलेश बारावाल, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की सचिव, कुमावत समाज विकास समिति मालवीय नगर जयपुर की अध्यक्ष तथा सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा की महिला अध्यक्ष श्रीमती भारती वर्मा (कुमावत), भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष श्री चेतन कुमावत, डा. सुनिता, डा. सीताराम, संतोष बालोदिया थे। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। मंच का संचालन जगदीश महाराज ने किया। इस अवसर पर नव निर्मित विवाह स्थल का उद्घाटन खोजीद्वाराचार्य रामरिछपाल महाराज के द्वारा फीता काटकर किया गया। सामुहिक विवाह से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बहुत लाभ होता है तथा वे जीवनभर आर्थिक जंजाल में घिरने से बच जाते है।

समिति अध्यक्ष श्री अशोक मारवाल ने पधारे हुए अतिथियों, भामाशाहों, कार्यकर्ताओं तथा समाजजनों का आभार प्रकट किया।

श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर, 14 अप्रैल 2025। श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था, जयपुर की ओर से एक दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का बाल निवास परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें 60 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर का शुभारंभ संस्था की संचालिका श्रीमती उमा माचीवाल ने दीप प्रज्वलन कर किया। संस्था की अध्यक्ष श्रीमती शोभा गहलोत ने उपस्थित चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों का हार्दिक स्वागत करते हुए उनका सम्मान किया। इस अवसर पर संस्था के लगभग सभी सदस्य मौजूद रहे और आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

शिविर में डॉ. निमिता भारती, डॉ. आशा लता, डॉ. कविता भाटी, रिटायर्ड मेल नर्सिंग स्टाफ श्री भंवरलाल जी, तथा लैब टेक्नीशियन ज्ञानेंद्र राज ने अपनी नि:स्वार्थ सेवाएं प्रदान कीं। उनकी सेवा भावना के लिए संस्था हृदय से आभार व्यक्त करती है तथा आशा करती है कि भविष्य में भी वे इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में संस्था के साथ जुड़े रहेंगे। संस्था के इस शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श तथा दवाइयों का वितरण किया गया। मरीजों ने संस्था की इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी शिविर आयोजित करने का आग्रह किया।

इस आयोजन की सफलता संस्था की मजबूत और समर्पित महिला टीम का परिणाम है। संस्था इस मौके पर अपनी टीम के लिए कहती है-

''कोमल है, कमजोर नहीं, शक्ति का नाम ही नारी है।
ऐसा कोई आसमान नहीं, जहां हम उड़ान नहीं भर सकते।''

इस प्रेरणादायी पहल के लिए समाज की सभी जागरूक व समर्पित महिलाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

राममंदिर, अयोध्या के मुख्यशिखर पर कलश स्थापित

14 अप्रेल 2025 को अयोध्या के राममंदिर को मुख्य शिखर पर कलश की स्थापना हो गई। नारियल के आकार में बंशी पहाडपुर के गुलाबी पत्थर ने निर्मित 3500 किग्रा वजनी कलश है। इसे टावर क्रेन से ऊपर ले जाकर सावधानी से स्थापित किया गया। मुख्य शिखर में 29 लेयर में लगभग 32 हजार घनफुट पत्थर संजोये गये हैं। निर्माण का मुख्य दायित्व L & T Co. का था किन्तु कार्य चुनौतिपूर्ण होने से अन्य एजेंसियों के तकनीशियनों का भी सहयोग लिया गया। इसके साथ ही नवरत्नों को भी स्थापित किया गया है। इससे राम मंदिर और निखरेगा।

Created by Universal Document Converter

वास्तुकला में कुमावत समाज की तीन पीढ़ियों का अमूल्य योगदान

श्री राज सिंह भदानिया, निवासी जयपुर शहर ने इस पत्रिका को बताया कि जयपुर के प्रथम सिनेमाघर मानप्रकाश टाकिज का निर्माण करने पर उनके पडदादाजी **स्व. श्री राम सहाय मिस्त्री (भदानिया)** निवासी जयपुर को सन् 1935 में अवार्ड देकर सम्मानित किया गया था। यह हमारे समाज के लिए गौरव की बात है कि ऐसी हस्तियां हमारे समाज में हुई है। श्री रामसहाय जी से प्रारम्भ हुई पीढ़ी में आगे जाकर **श्री किस्तूर चंद जी भदानिया** हुए जिन्होंने अपने पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए वास्तुशिल्प की परम्परा को आगे बढ़ाया तथा दिल्ली में एक प्रतिष्ठित वास्तुकार के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने अपनी कला में आधुनिकता और व्यवहारिकता का अद्‌भुत संतुलन किया तथा दिल्ली के अनेक प्रतिष्ठित भवनों तथा शहरी परियोजनाओं को डिजाइन किया। इनके बाद श्री भंवर सिंह भदानिया हुए जो अपने दादा एवं पिता दोनों की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उसमें रचनात्मकता, सौन्दर्य बोध तथा जिम्मेदारी के साथ कुमावत समाज की भावना को अपने कार्यों में समाहित किया। बाद में वे दिल्ली चले गए और नगर नियोजन की शिक्षा प्राप्त टाउन प्लानिंग में डिग्री प्राप्त की। अपनी मेहनत, प्रतिभा और दूरदर्शिता के कारण वे सहायक नगर नियोजक के पद तक पहुंचे। इन्होंने शहरी विस्तार, सड़क निर्माण, आवासीय कॉलोनियों का नियोजन तथा ग्रामीण विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने का अभूतपूर्व कार्य किया। जिसमें उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबन्धन, हरित क्षेत्र विकास तथा जन सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जो उनकी दूर दृष्टि को प्रकट करता है। उन्होंने राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर में अपनी अनूठी छाप छोड़ी, उनके द्वारा 22 सिनेमाघरों का डिजाइन किया गया।

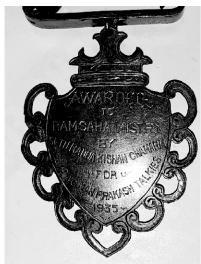

आगामी पीढ़ी में **श्री राजसिंह भदानिया** हुए जिन्होंने अपने पिता भंवरसिंह भदानिया की रचनात्मक परम्पराओं को आगे बढ़ाया। इन्होंने निर्माण और वास्तुशिल्प के क्षेत्र में अनेक फ्लैटस, कामर्शियल काम्प्लैक्सेस डिजाइन किए हैं। इसकी आगामी पीढ़ी में **श्री निखिल भदानिया** (सिविल इंजीनियर) और **अखिल भदानिया** (आर्किटेक्ट) हुए जो भदानिया परिवार की 5वीं पीढ़ी है। इन दोनों भाईयों ने मिलकर वास्तुकला के निर्माण हेतु एक फर्म बनाकर कार्य कर रहे हैं तथा इन्होंने भी आवासीय फ्लैट्स तथा कामर्शियल बिल्डिंग्स का निर्माण करने का कार्य किया है। कम समय में ही इन्होंने वंशानुगत परम्परा के क्षेत्र में सृजनशीलता और दूरदिर्शता के माध्यम से अपनी छवि बनाई है।

हमारे समाज में अनेक परिवारों द्वारा वास्तुकला एवं निर्माण के क्षेत्र में अद्‌भुत कार्य किए हैं। ऐसी हस्तियों की जानकारी जिन समाजबंधुओं के पास है उनकी जानकारी है वो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को भिजवाएं, उन्हें प्रकाशित करके हमें खुशी होगी।

प्रशासन की एक अच्छी पहल

कोटा : बाल विवाह रोकने को शादी के कार्ड पर लिखनी होगी वर-वधू की जन्मतिथि

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. रविंद्र गोस्वामी ने 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर अबूझ सावा एवं पीपल पूर्णिमा सहित अन्य अवसर पर संभावित बाल विवाह की रोकथाम को लेकर आदेश जारी किए हैं। आदेश में विवाह निमंत्रण पत्र छापने वाले मुद्रकों, संचालकों को निमंत्रण पत्रों में वर-वधू के आयु संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त कर जन्म तिथि का अंकन करने के लिए पाबंद किया है। 'विवाह के लिए लड़की की आयु 18 वर्ष तथा लड़के की आयु 21 वर्ष होना अनिवार्य है' का भी निमंत्रण पत्र में अंकन करना होगा।

बाल विवाह रोकने की यह सार्थक एवं सराहनीय प्रशासनिक पहल है।

श्री तरुण कुमावत एडवोकेट (जयपुर) को राजस्थान उच्च न्यायिक सेवा (ADJ) में सफल होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

चाकसू में सामूहिक विवाह 5 मई को

श्री कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति चाकसू के तत्वावधान में जानकी नवमी के अवसर पर सोमवार **5 मई** को जीआर पैरेडाईज चाकसू में कुमावत क्षत्रिय समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें 21 जोड़ों का विवाह किया जाना प्रस्तावित है।

कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष रामफूल जूनवाल द्वारा यह सूचना प्रसारित की गई है।

मनीष को केसरिया हिन्दु वाहिनी की कमान

केसरिया हिन्दू वाहिनी के राजस्थान प्रदेश युवा प्रकोष्ठ प्रभारी मनीष कुमावत, जयपुर को नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति से केसरिया हिन्दु वाहिनी संगठन ऊर्जावान एवं सुदृढ़ होगा। ये हिन्दुओं को संगठित कर धर्म और राष्ट्र को सशक्त बनाने में अपना योगदान देंगे।

श्री अरुण जी कुमावत एडवोकेट (ब्यावर) को कन्ज्यूमर्स कोर्ट का चेयरमैन बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

Created by Universal Document Converter

जातीय दिवस एवं स्थापना दिवस मनाया

06 अप्रैल 2025 को कुमावत समाज जातीय दिवस एवं 'सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा' रजि. के स्थापना दिवस पर प्रात: भगवान श्री राम की पूजा की। श्री वीर तेजाजी के मंदिर, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर से महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गयी जो दादूद्वारा बगीची, कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर पहुंच कर संपन्न हुई। इस अवसर पर वार्ड 38 के पार्षद श्री सुमेर सिंह जोधा, वार्ड 34 के पार्षद चेयरमैन श्री रामकिशोर, पूर्व उप महापौर श्री विमल अनावड़िया,'सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा' रजि. के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर बंबोरिया, महामंत्री श्री रूपसिंह कारगवाल उपस्थित रहे।

कलश यात्रा 2025 की आयोजन समिति के संयोजक श्री विष्णु कुमार खोरानिया, उपसंयोजक श्री जयप्रकाश सिरोहिया, श्रीमती मंजू किरोड़ीवाल (संयोजक महिला वर्ग) श्रीमती तारा देवी माचीवाल (उपसंयोजक महिला वर्ग) एवं सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा विद्याधर नगर विधान सभा इकाई अध्यक्ष श्री सत्यनारायण मारवाल ने कलश यात्रा में भाग लेने वाली सभी महिलाओं एवं मेहमानों तथा कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा, किशनगढ़, उदयपुर, सावेर आदि स्थानों से भी रामनवमी पर जुलूस, झांकियां निकालकर जाति दिवस मनाने के समाचार ज्ञात हुए हैं।

इन्दौर में कुमावत समाज का होली मिलन समारोह

19 मार्च 2025 रंगपंचमी को श्री राजस्थान कुमावत क्षत्रिय समाज की साधारण सभा की बैठक एवं होली मिलन समारोह तथा 60वें वर्ष का आयोजन कुमावत माँगलिक भवन, साकेत नगर, इंदौर में सम्पन्न हुआ। जिसमें समाजजन उपस्थित हुवे, लेखा-जोखा बताया गया तथा समाज के सभी सदस्यों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। समाज के सरंक्षक श्री दिलीप सिंह वर्मा ने समाज में चल रहे कामों की जानकारी दी। समाज के अध्यक्ष श्री रामचन्द्र (बाबूलाल) वर्मा ने समाज के अतीत की खूबसूरत यादों के बारे में जानकारी दी।

कुमावत नवयुवक मंडल के सामाजिक प्रगति के लिये किये गये कार्यों का महत्व बताया तथा उन कार्यों की प्रशंसा की।

महाराष्ट्र में अब कुमावत को ओबीसी आरक्षण

जब से भारत में अन्य पिछड़ा वर्ण (ओबीसी) को सरकारी नौकरियों व राजनैतिक संस्थाओं में आरक्षण का लाभ मिला तब से राज्य सरकारों ने अपने-अपने राज्यों में इन्हें आरक्षण दिया। भारत भर के कई राज्यों में कुमावत समाज को भी आरक्षण मिला पर महाराष्ट्र में कुमावत जाति को आरक्षण नहीं मिल पाया था।

कुमावत समाज विकास सेवा संगठन, महाराष्ट्र के अथक प्रयासों से अब जाकर कुमावत जाति को बेलदार जाति की उपजाति का दर्जा देकर लाभ दिया गया है।

पुणे में 75 समाज बंधुओं को कुमावत बेलदार जाति का प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इससे हमारे समाज के लोग राजनीति एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ लेकर उच्च पदों पर चयनित हो सकेंगे।

बिना रोये माँ भी दूध नहीं पिलाती इसी प्रकार सरकार को निरन्तर ज्ञापन व मांग-पत्र दिये जाने पर ही समाज की संस्था के प्रयास सफल हो पाये हैं। समाज में ऐसे ही कार्य मिलकर किए जाएं तो सभी समस्याओं का निदान संभव है।

चौथ का बरवाड़ा समाज व धर्मशाला विकास समिति की नवीन कार्यकारिणी गठित

20.4.2025 को क्षत्रिय कुमावत समाज धर्मशाला विकास समिति की मीटिंग क्षत्रिय कुमावत समाज धर्मशाला चौथ का बरवाड़ा के सभा भवन में आयोजित की गई जिसमें नवीन कार्यकारिणी निर्विरोध गठित की गई जिसमें सर्वसम्मति से बाबूलाल कुमावत, चौथ का बरवाड़ा अध्यक्ष, रामचरण कुमावत पावोडेरा उपाध्यक्ष, मुरारीलाल कुमावत पावोडेरा कोषाध्यक्ष व राकेश कुमावत चौथ का बरवाड़ा को मंत्री बनाया गया इसके बाद सभी नवगठित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह व नवीन कार्यकारिणी का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें साफा व माला पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। इस दौरान मीटिंग में टोंक, सवाईमाधोपुर, जयपुर, कोटा, बूंदी, अजमेर व भीलवाड़ा से समाजबन्धु उपस्थित हुए।

ईशिता कुमावत को पीजी (बॉटनी) में गोल्ड मैडल

महर्षी दयानन्द सरस्वती यूनिवर्सिटी के 12वें दिक्षान्त समारोह में ईशिता कुमावत को पीजी (बॉटनी) में गोल्ड मैडल देकर सम्मानित किया गया। ईशिता के पिता श्री नरेन्द्र कुमावत की परचूनी की दुकान है ईशिता भविष्य में कॉलेज लेक्चरर बनने लक्ष्य रखती है।

Created by Universal Document Converter

मोटापा एक रोग

मोटापा एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में अत्यधिक चर्बी जमा हो जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। इसे आमतौर पर बॉडी मास इंडेक्स (BMI) का उपयोग करके मापा जाता है, जो किसी व्यक्ति के वजन और ऊंचाई का अनुपात है।

मोटापे के कई कारण हो सकते हैं, जैसे— ■ **अस्वास्थ्यकर आहार:** उच्च कैलोरी, वसा और शर्करा वाले खाद्य पदार्थों का सेवन। ■ **शारीरिक गतिविधि की कमी:** व्यायाम न करना या बहुत कम करना। ■ **आनुवंशिकी:** कुछ लोगों में मोटापे की प्रवृत्ति विरासत में मिल सकती है। ■ **चिकित्सा स्थितियां:** कुछ चिकित्सा स्थितियां और दवाएं वजन बढ़ा सकती हैं। ■ **तनाव और भावनात्मक कारक:** कुछ लोग तनाव या उदासी में अधिक खाते हैं।

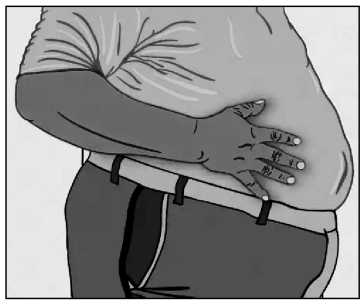

मोटापे के जोखिम इस प्रकार है :- ■ **हृदय रोग:** — उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। ■ **मधुमेह:** -टाइप 2 मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है। ■ **कैंसर:** -कुछ प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। ■ **जोड़ों की समस्याएं:** -ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ■ **सांस की समस्याएं:** -स्लीप एपनिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ■ **मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं:** -अवसाद और चिंता जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

मोटापे का इलाज सम्भव है, इसके लिए :— ■ **आहार में बदलाव:** स्वस्थ आहार खाना, जिसमें फल, सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाले प्रोटीन शामिल हों। ■ **शारीरिक गतिविधि बढ़ाना:** नियमित रूप से व्यायाम करना, जैसे कि चलना, दौड़ना या तैरना। ■ **दवाएं:** कुछ दवाएं वजन घटाने में मदद कर सकती हैं, लेकिन इन्हें डॉक्टर की सलाह पर ही लेना चाहिए। ■ **सर्जरी:** गंभीर मामलों में, तथा 35 से ज़्यादा BMI वाले रोगी को वजन घटाने के लिए सर्जरी की जा सकती है।

मोटापे से बचाव के लिए हमें :-

■ **स्वस्थ आहार खाना:** संतुलित आहार खाना ,जिसमें अधिक प्रोटीन और फाइबर तथा कम मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, न्यूनतम मीठा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और शर्करा युक्त पेय पदार्थों से बचना। Fast Food बहुत हानिकारक हैं। ■ **नियमित रूप से व्यायाम करना:** हर दिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम करना। ■ **तनाव का प्रबंधन करना:** तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान या अन्य तकनीकों का उपयोग करना। ■ **पर्याप्त नींद लेना:** हर रात 7-8 घंटे सोना। ■ **नियमित रूप से डॉक्टर से जांच कराना:** अपने वजन और स्वास्थ्य की निगरानी करना।

यदि आपको मोटापे के बारे में कोई चिंता है, तो कृपया अपने डॉक्टर से सलाह लें। वे आपको इसका उचित निदान और उपचार दे सकते हैं।

मोटापा कम करने के लिए कई लोग केवल डाइट पर निर्भर करते हैं और कुछ लोग केवल व्यायाम पर निर्भर करते हैं, दोनों ही सही तरीक़े नहीं हैं । Multidisciplinary Approach से इसका उपचार किया जा सकता है। इसलिए लापरवाही नहीं बरते और समय रहते इसका निदान करायें।

- डॉ. पी.एम. कुमावत

भूरी देवी ने खनन माफिया के खिलाफ उठाई कुल्हाड़ी

बालापुरा गांव, कादेड़ा, अजमेर में खारी नदी से बजरी का अवैध खनन किया जा रहा था। गांव की महिलाओं ने हाथों में कुल्हाड़ी और डंडे लेकर डम्पर को रोक दिया और उनसे बजरी खाली करवा ली तथा इसके बाद वे धरने पर बैठ गई।

खनन माफियाओं ने गांव के लोगों को धमकाया और गाली गालेच की तथा कहा कि यदि उन्हें रोका तो उन्हें बजरी के साथ गाड़ देंगे। वहीं भूरी देवी कुमावत ने साहस दिखाते हुए कहा कि हमें बेलन की जगह कुल्हाड़ी उठानी पड़ी है, अब तो उनकी लाशों पर से ही बजरी ले जाए। इस मामले की शिकायत जिला कलेक्टर व संभागीय आयुक्त से की और पुलिस गश्त बढ़ा दी गई।

कुमावत छात्रावास जयपुर को मिला आर्थिक सहयोग

कुमावत समाज के कुछ अधिकारियों एवं कर्मचारियों स्वविवेक से कुमावत शिक्षा कोष ट्रस्ट के समक्ष छात्रावास की कमी से समाज की प्रतिभाओं के आगे न बढ़ पाने की पीढ़ा व्यक्त की और उन्होंने छात्रावास के निर्माण हेतु 65 लाख का सहयोग दिया तथा आगे 35 लाख का सहयोग और देने का विश्वास दिलाया। इनमें कुछ भामाशाह भी सम्मिलित थे। समाज के छात्रावास के लिए यह प्रस्ताव प्रशंसनीय है।

Created by Universal Document Converter

महाराणा प्रताप के जन्म दिवस 9 मई पर विशेष

शौर्य और पराक्रम के धनी महाराणा प्रताप

भारत के इतिहास में राजपूताना का शौर्य कण-कण में विद्यमान है यहां के रणबांकुरों ने अपने देश और धर्म के लिए बलिदान देने में जरा भी संकोच नहीं किया। राजपूतों ने अपनी स्वतंत्रता के लिए भरपूर संघर्ष किया जिसमें मेवाड़ का विशेष योगदान रहा है। मेवाड़ के महाराणा प्रताप पूरी दुनिया में एक मिसाल के तौर पर जाने जाते हैं। जिन्होंने तत्कालीन मुगल शासक अकबर की सेना से भरपूर लोहा लिया तथा जंगलों में रहना मंजूर किया, किंतु अकबर की दासता स्वीकार नहीं की।

9 मई, 1540 को महाराणा प्रताप का कुम्भलगढ़ में मेवाड़ के सिसोदिया वंश में जन्म हुआ। इनके पिता महाराणा उदय सिंह द्वितीय थे। बचपन से ही प्रताप शस्त्र कला में निपूण थे तथा शौर्य उनके रग-रग में था। वर्ष 1567 में 27 वर्ष की उम्र में ये मेवाड़ के उत्तराधिकारी बने उसके कुछ समय बाद ही अकबर की मुगल सेना ने चित्तौड़ को घेरकर लिया तथा महाराणा उदयसिंह को मेवाड़ की सेना सहित चित्तौड़ छोड़कर गोगुन्दा जाना पड़ा। उदयसिंह की मृत्यु के पश्चात 1572 में महाराणा प्रताप मेवाड़ के राणा घोषित हुए। वे चित्तौड़ को पुन: प्राप्त करने के लिए रात-दिन सोचा करते थे। अकबर ने उन्हें अधीनता स्वीकार करके संधि करने का प्रस्ताव दिया किन्तु उन्होंने इससे इनकार कर दिया। उसके बाद अकबर ने प्रताप को वश में करने के लिए मानसिंह के नेतृत्व में सेना भेजी तथा हल्दीघाटी के युद्ध में प्रताप की एक छोटी सेना ने अकबर की एक बड़ी सेना को जबर्दस्त शिकस्त दी। यद्यपि वामपंथी इतिहासकारों ने हल्दीघाटी में अकबर की जीत बताई परन्तु वास्तविकता यह है कि यह युद्ध अनिर्णित रहा तथा मुगल सेना को पीछे हटना पड़ा।

महाराणा प्रताप के शौर्य एवं बल का परिचय इस बात से भी होता है कि उनके भाले का वजन 80 किलो और कवच 72 किलो का था। इसे मिलाकर सभी शस्त्रों का कुल वजन 200 हुआ करता था जिसे वो चेतक घोड़े पर सवार होकर युद्ध किया करते थे। अकबर के एक सिपहसालार को तो उन्होंने सिर से लेकर पूरे धड़ तथा उसके घोड़े को अपनी तलवार के वार से दो भागों में काट दिया था।

महाराणा प्रताप ने समाज के विभिन्न समुदायों को जोड़कर मेवाड़ा के इस संघर्ष को जनआन्दोलन बना दिया था। शांतिकाल के दौरान महाराणा प्रताप ने अपनी रियासत में जनहित के अनेकों कार्य करवाए जो एक श्रेष्ठ शासक के गुण कहे जा सकते हैं। आज देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी स्वदेश प्रेम तथा अदम्य साहस के प्रतीक महाराणा प्रताप को आदर से याद किया जाता है।

अनुपम है कुमावत समाज, दातोदा का श्रीराम मंदिर

क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत समाज, दातोदा का श्रीराम मंदिर एवं सामुदायिक भवन, औंकारेश्वर रोड, इन्दौर (म.प्र.) में स्थित है, जो वर्ष 2013 में भामाशाहों के सहयोग से बना। यहां मंदिर में शिवालय भी हैं साथ ही बड़ा हॉल, तीन मंजिला सामुदायिक भवन, खाना बनाने का स्थान तथा भोजन कराने का पर्याप्त स्थान है। इस परिसर को समारोह व कार्यक्रम के लिए केवल कुमावत समाज का 2100 रुपये शुल्क देकर ले सकता है, जिसमें बिस्तर, मेट, पंखे, कूलर, बर्तन आदि भी नि:शुल्क उपलब्ध कराये जाते हैं।

मंदिर में दर्शनार्थ किसी भी समाज का व्यक्ति आ सकता है। जब कोई कार्यक्रम होता है तो नियम है कि सर्वप्रथम भगवान को भोग लगाया जाता है, इसके साथ ही वहां के पंडित जी (महाराज) को भोजन की थाली भेजी जाती है। तत्पश्चात पहले कुमावत समाजजन भोजन करते हैं। उसके बाद ही अन्य समाज के लोगों को भोजन कराया जाता है। भोजन के लिए सबसे पहले महिलाओं को बैठाया जाता है, जब वे भोजन करके चली जाती हैं फिर कोई महिला नहीं आती उसके बाद समाज के पुरुष भोजन करते हैं। यहां यह बताना उचित होगा कि भोजन के लिए सभी पंक्तिबद्ध होकर बैठते हैं, फिर पत्तल में भोजन परोसा जाता है लेकिन जब भोजन करने के लिए कहा जाता है तब ही वे भोजन ग्रहण करते हैं। कोई भी पत्तल में भोजन झूंठा नहीं छोड़ सकता है। जब पंक्ति के सभी लोग भोजन ग्रहण कर लेते हैं तो उन्हें उठने के लिए कहा जाता है तब ही वे पंक्ति से उठते हैं। भोजन व्यवस्था के लिए कुमावत समाज के प्रत्येक घर से युवा आते हैं तथा बाहर से व्यवस्था नहीं की जाती है। सभी लोग बड़े आनन्द से सम्मिलित होते हैं।

हमारे समाज को यहां की सामाजिक एकता, नियम से चलने, भोजन झूंठा नहीं छोड़ने, त्याग व समर्पण की भावना प्रेरणा लेने योग्य है। नाममात्र के शुल्क में सामुदायिक भवन उपलब्ध कराकर दातोदा कुमावत समाज को अच्छा संदेश दे रहा है कि कैसे सामूहिक सामाजिक काम किये जाने चाहिये।

यह जानकारी हमारे व्यवस्थापक मंडल सदस्य श्री प्रभुदयाल तुनगरिया, किशनगढ़ द्वारा उपलब्ध कराई गई है।

Created by Universal Document Converter

मनोज कुमार, फिल्म अभिनेता

भारत विभाजन के बाद एटमाबाद (पाकिस्तान) से भारत आने के बाद पहचान की जद्दोजहद में थे मनोज कुमार। वर्ष 1948 में दिलीप कुमार की 'शहीद' देखने के बाद उनमें उम्मीदों का सूर्योदय हुआ। उन्होंने सोचा कि फिल्में केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं अपितु इसके माध्यम से देखभक्ति का नवीन संदेश भी लोगों को दिया जा सकता है। उनका वास्तविक नाम हरिकृष्ण गोस्वामी था, फिल्म **शबनम** देखकर उन्होंने अपना नाम बदलकर मनोज कुमार रख लिया। वर्ष 1957 में उन्होंने '**फैशन**' फिल्म से फिल्मी जीवन की शुरुआत की तब उनकी उम्र 19 साल थी, जिसमें उनकी छोटी सी भूमिका 90 वर्ष के भिखारी की थी। उनकी प्रारम्भिक फिल्में '**हरियाली और रास्ता**' और '**हिमालय की गोद में**' थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने वर्ष 1965 में शहीद फिलम देखकर उन्हें 'जय जवान, जय किसान' की थीम पर फिल्म बनाने की सलाह दी। उन्होंने वर्ष 1967 में '**उपकार**' बनायी जिसमें एक गाना '**मेरे देश की धरती सोना उगले...**' आज भी सुने तो यह देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कर देता है। इस फिल्म में उनकी पहचान भारत कुमार के रूप में हुई जिसकी चमक '**पूरब और पश्चिम**', '**रोटी कपड़ा और मकान**' तथा '**क्रांति**' में और उभरी।

70 के दशक के जाने माने एक्टर मनोज कुमार को वर्ष 1992 में पद्मश्री से नवाजा गया। ऐसे व्यक्तित्व कम ही हुए जिन्होंने फिल्म पटकथा लेखन, संपादन, गीतकार की प्रतिभा हो, जो मनोज कुमार में थी। उन्होंने कहा कि वे भारत कुमार बनकर बार-बार इसलिए पर्दे पर आते हैं ताकि लोग अपने देश के सांस्कतिक वैभव से जुड़ सकें। वे कहते थे मैं फिल्मों में देशप्रेम के गीत गाने आया हूँ, उन्हें देश भक्ति से प्रेम है।

87 वर्षीय मनोज कुमार कुछ समय से बीमार थे तथा कोकिलाबेन अस्पताल, मुम्बई में भर्ती थे। 4 अप्रेल, 2025 को दिग्गज अभिनेता और देश प्रेमी मनोज कुमार अपने प्रशंसकों की आँखे नम करके इस दुनिया से विदा हो गये।पर फिल्मों द्वारा देशभक्ति का जो संदेश उन्होंने दिया वह हमेशा भारतीयों के दिलों में जीवंत रहेगा।

एक अच्छे अभिनेता मनोज कुमार को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका परिवार की ओर से सादर श्रद्धांजलि।

ढूंढिये वजह मुस्कुराने की-5

कौन नहीं चाहता जीवन में आगे बढ़ना? पर जो मुस्कुराने की वजह ढूंढ लेते हैं वे जीवन में प्रसन्न रहते हैं और क्रोध, ईर्ष्या, चिंता, द्वेष, नफरत जैसे दोष पास भी नहीं फटकते। प्रसन्न व्यक्तियों के आसपास लोग आना चाहते हैं जिससे उनके सद्गुण भी स्वमेव आ जाते हैं। मुस्कुराना एक सुगन्धित पुष्प है जिसकी भीनी-भीनी सुगन्ध से आकर्षित होकर मधुमक्खियों की तरह लोग आकर रस लेना चाहते हैं। आप ही सोचिये कि जो दु:खी रहता हो तथा अपना रोना रोता हो उसके पास कौन आयेगा?

द्वेष की भावना यदि मन में डेरा जमा ले तो आप विरोधी को सदैव नुकसान पहुंचाने का भाव रखेंगे तथा बुरे भाव मनुष्य के जीवन के पोषक तत्वों को नष्ट कर देते हैं। इससे विरोधी भी आपको नुकसान पहुंचा सकता है। प्रसन्न रहें तथा चेहरे पर मुस्कान के भाव लायें तो प्रसन्नता का शीतल नीर (जल) विरोधियों के मन के विकारों को धो डालता है, इससे दोनों का लाभ होता है।

हंसते हुए बच्चे सभी को प्यारे लगते हैं और उनके साथ खेलने और बातचीत करने में आनन्द की अनुभूति होती है। मुस्कुराना एकवशीकरण मंत्र है वह सभी परिस्थितियों में खुश रहने का कारण ढूंढ ही लेता है। इससे आनन्द कई गुणा बढ़ जाता है। जब आप किसी नौकरी इन्टरव्यू के लिए जाते हैं तो मुस्कुराते चहरे से आत्मविश्वास झलकता है जो नियोक्ता पर अच्छा प्रभाव डालता है। प्रसन्नता हमारी कार्यशक्ति को बढ़ाती है, कार्य का भार महसूस ही नहीं होता और थकान भी नहीं होती। एक मिनट की हंसी हमें स्फूर्ति दे देती है। हंसना-मुस्कुराना आगे बढ़ने के लिए सर्वोत्तम टॉनिक है। प्रकृति के सभी जीवों में केवल मनुष्य के पास ही ईश्वर ने यह गुण दिया है। फिर क्यों नहीं हम हंसे-मुस्कुराये। मुस्कुराना एक कला है तथा मानव का अमर सौन्दर्य है। आपका चेहरा यदि सुन्दर नहीं है तो कोई हर्ज नहीं, खुलकर हंसिये और मुस्कुराइयें तो सहीं, यह चेहरे पर स्वयं ही अतुलित सौन्दर्य प्रकट कर देगा। मुस्कुराइए, क्योंकि मुस्कुराहट जिंदगी को खूबसूरत बनाती है।

चाहत की हसरत पूरी हो या न हो,
मुस्कुराहट को जिंदा रखना जरूरी है।

- अमिता कुमावत

कुमावत पंचायत संस्थान सुरजपोल उदयपुर के शपथग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष - कन्हैयालाल नाहर, उपाध्यक्ष - मदन सिंह बाबरवाल, महामंत्री - भरत कवाया, मंत्री - कुन्दन सलवाडिया और कोषाध्यक्ष - नरेंद्र झालवार ने शपथ ग्रहण की। सभी पदाधिकारियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

Created by Universal Document Converter

मोहन बालोदिया का 116वाँ गोल्डन ऐरा शो सम्पन्न

30 मार्च, 2025 को श्री मोहन कुमार बालोदिया ने जे.एल.एन. मार्ग स्थित महाराणा प्रताप सभागार, विद्याश्रम स्कूल, जयपुर में संगीतमय संध्या का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम को शो मैन राजकपूर की 100वीं जयन्ती और संगीत के बेताज बादशाह मोहम्मद रफी, प्रदीप कुमार एवं पंकज उदास के गीतों के माध्यम से संगीतमय बनाया गया। साथ ही देवानंद, दिलीप कुमार, भारत भूषण की यादों को संगीत के सुरों में पिरोया गया। मोहन बालोदिया व रश्मि बालोदिया ने 'तुमको ना भुल पाएंगे' और 'खोया-खोया चांद खुला आसमां' गीतों की प्रस्तुती दी। कार्यक्रम में मोहन बालोदिया का साथ रश्मि बालोदिया, नागेश भटनागर, कृष्ण कन्हैया मीणा, राजीव माथुर, विशाल शर्मा, संजय भटनागर, निकीता कोका लालवानी, बेला माथुर ने देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

तुमको न भूल पायेंगे

मंच का संचालन अरुण किम्मतकर द्वारा किया गया।

संतोष, होस्टल सुपरिटेण्डेन्ट नियुक्त

संतोष कुमावत पुत्री श्री सांवरमल जी सालड़ीवाल निवासी पलसाना (सीकर) होस्टल सुपरिटेंडेंट ग्रेड 2 प्रतियोगी परीक्षा की की OBC Girls कैटेगरी में 2nd Rank प्राप्त की तथा समाज कल्याण विभाग, राजस्थान सीकर में पदग्रहण किया। पद ग्रहण करने पर बहुत-बहुत बधाई।

बरखा ने जीता कांस्य पदक

बरखा कुमावत (मारोठिया) ने रोहतक (हरियाणा) में सम्पन्न भारत-रूस-उज्बेकिस्तान (अंतर्राष्ट्रीय), बेल्ट-कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर बहुत-

डॉ. पवन बासनीवाल को टीचर ऑफ द ईयर अवार्ड

IPGA (राजस्थान) अवार्ड-2024 सेमीनार एवं अभिनन्दन समारोह में डॉ. पवन बासनीवाल को उनके अभूतपूर्व योगदान, परिश्रम तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए IPGA टीचर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से डॉ. पवन बासनीवाल को यह अवार्ड मिलने पर हार्दिक बधाई।

प्रभुदयाल, भारत विकास परिषद के नेत्रदान व देह दान सहप्रभारी नियुक्त

भारत विकास परिषद, किशनगढ सम्पर्क, सहयोग, सेवा व संस्कार जैसे स्थाई प्रकल्प कार्यों तथा जन सेवा का कार्य करती है।

नवीन कार्यकारिणी ने सत्र 2025-26 के लिए प्रभुदयाल तुनगरिया को नेत्रदान एव देहदान का सहप्रभारी बनाया है। श्री प्रभुदयाल तुनगरिया निवासी किशनगढ 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के व्यवस्थापक मंडल में है ये रोज नि:शुल्क योग क्लास चलाते है तथा किशनगढ़ के छोटे बाबा रामदेव के नाम से जाना जाता है। ये '**करो योग भगाओ रोग**' के लिए कृत संकल्प है।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से श्री प्रभुदयाल तुनगरिया को सह प्रभारी नियुक्त होने पर बधाई।

विशा कुमावत सुपुत्री श्री मोहन अडाणिया और श्रीमती कांता अडाणिया निवासी डागलियों की मगरी, पुलां, उदयपुर को B.Sc. में मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ यूनिवर्सिटी द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित होने पर हार्दिक शुभकामनाएं।

अक्षय कुमावत (सुपुत्र रिटा. कैप्टन जयरामजी-श्रीमती कुसुम कुमावत) ने भारतीय थल सेना में 1 साल की ट्रेनिंग पूर्ण कर पिता से प्रेरित हो लेफ्टिनेंट बनने क सपना पूरा किया।

परिन्डा अभियान

श्रीमती भारती कुमावत (प्रदेश महासचिव, ओबीसी प्रकोष्ठ कांग्रेस) ने किया प्रदेश स्तरीय परिन्दों के लिए परिन्डा अभियान का आगाज। इसके तहत कांग्रेस संगठन के महासचिव ललित तूनवाल ने इस कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम पहाड़िया से की। इस अवसर पर ग्राम के सैंकड़ों कुमावत व अन्य जाति व महिलाओं ने बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री ललित तूनवाल ने लोगों से अपील की कि वे अपना ज्यादा से ज्यादा सहयोग कर इस अभियान को सफल बनाने में भारती जी को सहयोग प्रदान करें। गर्मी के मौसम में अधिक परिन्डे लगाकर पक्षियों की जान बचाई जा सकती है। भारती जी ने ग्राम में 51 परिण्डे लगाकर इस पुण्य कार्य को आगे बढ़ाने और प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य लोग शंकर जी बैरा, नानू कुमावत (अध्यक्ष ग्रामीण ओबीसी मोर्चा, कांग्रेस), रामकरण कुमावत, भैरू लाल जी, मूल चंद जी कारगवाल, सरपंच व उप सरपंच, पूर्व विधायक प्रकाश चन्द बैरवा व रमेश वर्मा उपस्थित रहे।

''जल ही जीवन है'' बेजान पक्षियों को परिण्डों के माध्यम से इस भीषण गर्मी में पीने का पानी सुलभ कराकर हम परोपकार कर पायेंगे। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की भी अपील है हम सभी परिण्डे लगाकर पक्षियों का जीवन बचायें।

विशाखा कुमावत रिंगस भाजपा मण्डल अध्यक्ष

कुमावत समाज की प्रतिभावान, कर्मठ और सक्रिय सदस्य विशाखा कुमावत को भाजपा रिंगस मण्डल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भाजपा ने इनकी राजनीतिक निष्ठा के कारण यह नियुक्ति दी है। भाजपा स्थापना दिवस पर खण्डेला विधायक सुभाष मील ने इन्हें अध्यक्ष का दायित्व सौंपा है। इस अवसर पर समाज की पार्षद सुनीता कुमावत, पूर्व पालिका अध्यक्ष बोदूराम कुमावत तथा अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। विशाखा कुमावत की यह नियुक्ति समाज की युवतियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

बधाई

आकांक्षा गढ़वाल (कुमावत) सहायक लेखाधिकारी IInd पद पर पदोन्नत

जयपुर विद्युत वितरण निगम, जयपुर ने कनिष्ठ लेखाकार श्रीमती आकांक्षा गढ़वाल को सहायक लेखाधिकारी IInd पद पर पदोन्नत किया है।

श्रीमती आकांक्षा स्व. श्रीमती आशा देवी एवं स्व. श्री गोपाल लाल गढ़वाल की सुपौत्री एवं श्रीमती शशि एवं श्री मोहन सिंह गढ़वाल की सुपुत्री है। श्रीमती आकांक्षा, डॉ. अनूप कुमावत विभागाध्यक्ष (ABST), राज. विश्वविद्यालय जयपुर की धर्मपत्नी है।

कुमावत बंधु भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में चयनित

श्री जितेन्द्र कुमावत

हाल ही में भारतीय सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम जारी हुए हैं जिनमें कुमावत समाज के कुछ अभ्यार्थी भी चयनित हुए हैं। इनके चयन ने समाज को गौरान्वित किया है।

1. श्री जितेन्द्र कुमावत, निवासी नावां हाल दांता (रैंक 412)
2. श्री कमलेश कुमावत निवासी चितोडगढ़ (रैंक 608)
3. सुश्री ज्योति कुमावत, निवासी झुन्झुनू (रैंक 433)

जितेन्द्र के पिता श्री छीतरमल विद्यालय में अध्यापक हैं तथा वर्तमान में दांता में निवास कर रहे हैं। सुश्री ज्योति कुमावत के पिता श्री रामकरण कुमावत भी एक अध्यापक हैं।

सुश्री ज्योति कुमावत

इन अभ्यर्थियों का भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में चयन होने पर समाज के बच्चों को प्रेरणा मिलेगी तथा समाज के और अधिक बच्चे भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में सम्मिलित होकर चयनित हो सकेंगे। भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर समाज के इन अभ्यार्थियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

श्रीमती अमिता एवं रमेश कुमावत (गैदर)

के विवाह की 42वीं वर्षगांठ

21 अप्रेल, 2025 पर **हार्दिक बधाई !**

शुभेच्छु

फूला देवी-स्व. श्री रामदयाल गैदर (माता-पिता)
नमिता-स्व. श्री दिनेश एवं अंजना-सतीश (भ्राता वधू-भ्राता)
शोभिका-मनीष खंडारिया (पुत्री-दामाद) मेघावी-पारितोष (पुत्रवधू-पुत्र),
खुशबू-हिमांशु (भतीजावधू-भतीजा) चारू जषिथ (भतीजा भतीजी)
अव्यान (पौत्र) षष्टि (मीठी) व पिनाक (दोहित्र) एवं समस्त गैदर परिवार

E 45AB, गार्डन स्ट्रीट, 3rd एवेन्यु, लालबहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर

Dilip Kumar Mamodia

PHYSICAL ATTRIBUTES

Height	:	5'10"
Complexion	:	Wheatish
Date of Birth	:	23 October 1986 Birth Place : Jaipur

QUALIFICATION

Masters in Business Administration (M.B.A.) (Marketing)

CURRENT JOB	:	Assistant Manager in Genpact Pvt LTD Jaipur.
HOBBIES	:	Music, Travelling, Hiking, Voracious reading, Badminton, Cricket

MARITAL STATUS

Divorced (Separated after One Month)

FAMILY BACKGROUND

Father	:	Mr. Dinesh Kumar Mamodia
Occupation	:	Retired from P.W.D.
Mother	:	Mrs. Kamla Devi
Occupation	:	Home Maker
Elder sister	:	Bhawana Mamodia (M.Com. , B. Ed.)
Jeeju	:	Bharat Kumawat
Occupation	:	Businessman (Bharat Watch Company, Udaipur)
Elder sister	:	Leena Mamodia (M.Sc.)
Occupation	:	Business
Jeeju	:	Harish Sharma
Jeeju	:	Investment Advisor in Moti Sons Group.

FAMILY TREE

Self : Mamodia Mother : Kundalwal
Dadi : Machiwal Nani : Balodiya

CONTACT DETAILS

Address	:	A-43, Narayan Sagar, Asarpura, Jaipur
Mobile No.	:	9782027837 (Watsapp No.)
		Email : dilip.mamodia121@gmail.com (Facebook ID)

मेघना कुमावत

(पत्नी श्री दिलीप वर्मा)

नगर निगम जयपुर हैरिटेज में महिला एवं बाल विकास समिति के सदस्य बनने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

माता-पिता : सुनीता- राम प्रकाश कुमावत,
भाभी-भैया-: प्रियंका-आशीष,
भतीजा : कुशाग्र (कुश) और मारवाल परिवार

Apana Ashiyana (Girls P.G.) * Ashish Consultant *

433-ए, परशुराम पार्क, सूर्य नगर, रिलायंस फ्रेश के पीछे रिद्धि-सिद्धि चौराहा, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर-302015 मो. : 9717037470, 9414074376

शकुन्तला नाईक का निधन

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा परम आदरणीया शकुन्तला देवी जी नाईक, पूणे महाराष्ट्र का 5 अप्रेल 2025 सुबह निधन हो गया। कुमावत समाज ने एक महान शख्सियत को खो दिया....।

शकुन्ता जी का जन्म 40 गांव,खानदेश में 8 जून 1930 को एक किसान कणीराम बिठोवा मिस्त्री के यहां हुआ था। इनका विवाह पुणे के श्री नन्दलाल नाईक के साथ वर्ष 1944 में सम्पन्न हुआ। इन्होंने अपना जीवन कुमावत समाज की सेवा, नारी उत्थान तथा सामाजिक एकता को समर्पित किया। ये अनेक संस्थाओं में प्रमुख पदाधिकारी रहीं जिनमें से मुख्य रूप से कुमावत क्षत्रिय ज्ञाती मण्डल 1994-96 की अध्यक्ष, अखिल महाराष्ट्र कुमावत क्षत्रिय महासभा 1994-96 (अध्यक्ष), भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा 1996-2000(प्रथम महिला अध्यक्ष) इत्यादि है।

कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार की ओर से विनम्रता पूर्वक सादर श्रद्धांजलि। ईश्वर परमपिता परमेश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देवें और परिवार को दु:ख की इस घड़ी में दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

हमारे पूज्य पिताजी

श्री चन्द्रकान्त खड़गटा

सेवानिवृत्त बॉटनी विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय का 5 अप्रेल, 2025 को बैकुण्ठवास हो जाने पर शुभचिन्तकों, विधायकों आदि के द्वारा व्यक्तिशय, पत्रों एवं फोन द्वारा सान्तवना देने पर उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

आभारकर्ता

पुत्र : संजय (बन्टी) खड़गटा, पंकज खड़गटा
एवं खड़गटा परिवार, मोती डूंगरी, जयपुर-4
7727877443, 9982991379

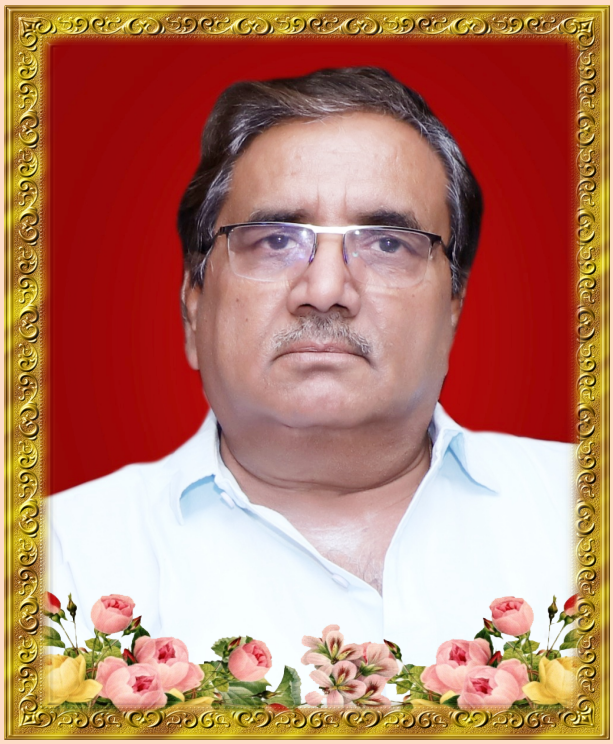

श्रद्धांजलि

स्व. श्री विनोद जी बालोदिया

चतुर्थ पुण्य तिथि

13 मई, 2025

श्रद्धान्वत

पत्नी :	श्रीमती शशि कला बालोदिया
भ्राता-भ्रातावधू:	चेतन-अंजली, चन्द्रप्रकाश-कान्ता, दिनेश-भावना, सतीश, राकेश, मुकेश,
पुत्र-पुत्रवधू :	सुनील-रेनू, रवि-रिम्पल, पराग-मीना,
पुत्री-दामाद :	ट्वींकल-कमल अनावड़िया, निकिता-विजय मारवाल
पौत्र-पौत्री :	अंशुल, आशना, आरव, आर्यश,
दोहित्र :	शुभम, कृषि, आयरा, श्रीयक्ष, सनाया एवं समस्त बालोदिया परिवार तथा समस्त स्टॉफ राज ब्लॉक्स।

फर्म : राज ब्लॉक्स मो. 9414052736

बी-81, रोड नं. 4, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर

मातृ दिवस

प्रत्येक वर्ष मई माह के दूसरे रविवार को मातृ दिवस (Mother's Day) मनाया जाता है। अन्ना जार्विस एक दृढ़ सामाजिक कार्यकर्ता थी। उसकी माँ एन जार्विस ने अपना अधिकांश जीवन शिशु मृत्यु दर के बारे में जागरूक करने में बिताया था।

वर्ष 1905 में एन का निधन हुआ तो अन्ना ने सोचा कि उनके प्रयासों का सम्मान करने के लिए 'मातृ दिवस' मनाना अच्छा तरीका होगा। 10 मई, 1908 को पहला मातृ दिवस ग्राफ्टन, वेस्ट वर्जीनिया में मनाया गया। जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरों विल्सन को जब अन्ना के काम की जानकारी मिली तो वर्ष 1914 में अधिकारिक रूप से राष्ट्रीय दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। उस महिला को सम्मान देने के लिए एक पूरा दिन अलग रखने का विचार निर्विवाद रूप से सुन्दर है, जिसने आपको जन्म दिया व परवरिश कर एक सफल व्यक्ति बनाया। इस दिन एक माँ के समर्पण, प्यार तथा बच्चों की भलाई के प्रयासों को सम्मान देना है। इस दिन को पूरे उत्साह एवं उमंग से मनाया जाना चाहिए। इस दिन माँ को कार्य से आराम दे, उन्हें उनकी पसंद का खाना बनाकर खिलाएं तथा उपहार देकर सम्मान व स्नेह दिया जा सकता है। इस दिन बच्चे अपनी माँ को स्पेशल महसूस कराये।

हाथ रखे सर पर तो, राहत रूह तक जाती है।
मैं इसके अहसान गिनू तो, आँखे छलक जाती है।
जिसकी एक मुस्कान, लाख दर्दों की दवा होती है। ये माँ होती है।

माँ शब्द की तुलना किसी भी चीज से नहीं हो सकती। माँ ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचना है जिसमें परमेश्वर के अंश की अनुभूति होती है। माँ अपने आप में अलौकिक है। माँ से सारा संसार है। माँ के ममतामयी स्नेह, असीम प्रेम को अपनी अन्तरात्मा से देखने की जरूरत है। इस धरती पर लाने वाली शक्तिशाली माँ के चरणों में स्थान खोजने की जरूरत है। आईये, हम सभी इस दिन को माँ के लिए श्रेष्ठ बनाने में कोई कसर न रखे।

– रमेश गैदर

इंजीनियरिंग का चमत्कार 'पंबन ब्रिज'

तमिलनाडू में रामेश्वरम् टापू से मंडपम को जोड़ने वाले पंबन ब्रिज का 6 अप्रेल 2025 को रामनवमी के शुभअवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन किया। यह देश का पहला वर्टिकल लिफ्ट सी-ब्रिज है जिसका 72.5 मीटर का नेवीगेशन लिफ्ट (लिफ्ट सपैन) 17 मीटर तक ऊँचा उठ सकता है। इसके नीचे से बड़े जहाज आसानी से गुजर सकते हैं तथा 80 किमी की रफ्तार से ट्रेन भी गुजर सकती है। दो रेल ट्रैक बनाये गये हैं, जिसमें से फिलहाल एक पर संचालन किया जाने लगा है। उसकी उम्र 100 वर्ष है तथा बार-बार मरम्मत की जरूरत भी नहीं है। इस 2.08 किमी पुल की लागत 550 करोड़ रुपए आयी है। यह ब्रिज 1914 में बने ब्रिज का स्थान लेगा।

उद्घाटन के बाद इसके नीचे से एक जहाज गुजरा। एक रेलगाड़ी भी पंबन ब्रिज से गुजरी। जब जहाज गुजरता है तो यह ब्रिज 17 मीटर तक ऊँचा उठ जाता है। समारोह में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पंबन ब्रिज इंजीनियरिंग का चमत्कार है। इस समारोह के बाद प्रधानमंत्री मोदी रामनाथ स्वामी मंदिर में दर्शन को भी गये।

9वें गुरु तेग बहादुर का प्रकाश पर्व

18 अप्रेल को सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर का प्रकाश पर्व था। गुरु तेग बहादुर ने औरंगजेब के शासन के दौरान भारत में 174 जगहों की यात्रा करके गुरुमत दर्शन के माध्यम से जन जीवन में नवीन चेतना का प्रसार किया। गुरु नानकदेव के बाद ये सबसे ज्यादा यात्रा करने वाले गुरु थे। इन्होंने सेवा, समन्वय और भाईचारे के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक जीवन मूल्यों की नई व्याख्या की। इससे जनमानस में उत्साह का संचार हुआ तथा नशे जैसी बुराइयों को लोगों ने त्याग दिया। इन्होंने 'खालसा' का सृजन किया तथा भक्ति और शक्ति का नवसंकल्प दिया। गुरु तेग बहादुर की शाश्वत जीवन शैली में यह निहित है। वे पूरी सृष्टि की व्यथा को आत्मसात कर मानवीय दु:खों को दूर करना चाहते थे।

उन्होंने औरंगजेब द्वारा जारी धर्मान्तरण के तीव्र वेग को रोकने का अथक कार्य किया और इसके लिए अपना बलिदान तक कर दिया। ऐसे ही धर्म गुरुओं से आज सिख पंथ ऊँचाई पर है।

Created by Universal Document Converter

बुद्ध पूर्णिमा: एक दिन खुद से मिलने का

बुद्ध पूर्णिमा भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के उन लोगों के लिए एक अत्यंत पावन और भावनात्मक पर्व है, जो शांति, करुणा और आत्मज्ञान की तलाश में हैं। यह दिन भगवान गौतम बुद्ध की स्मृति में मनाया जाता है, जिनका जीवन ही मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक बन चुका है। बुद्ध पूर्णिमा का महत्व इसलिए और भी बढ़ जाता है क्योंकि इसी दिन भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था, इसी दिन उन्हें बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था और इसी दिन उन्होंने कुशीनगर में अपना पार्थिव शरीर त्याग कर महापरिनिर्वाण को प्राप्त किया था। एक ही दिन में उनके जीवन की तीन सबसे बड़ी घटनाएं जुड़ी हों, तो यह दिन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मबोध का एक सजीव स्मारक बन जाता है।

जब भी बुद्ध पूर्णिमा आती है, ना जाने क्यों मन अपने आप शांत हो जाता है। जैसे किसी ने हल्का सा हाथ रख दिया हो दिल पर और कह दिया हो — ''अब थम जा, अब बस कर, अब खुद से मिल ले।''

आज की दुनिया में जहाँ हर कोई दौड़ रहा है — कोई पैसे के पीछे, कोई नाम के पीछे, कोई रिश्तों की कशमकश में — वहीं बुद्ध कहते हैं, ''थोड़ा रुक जा, सब कुछ यहीं है, बस तू देख नहीं पा रहा।''

बुद्ध ने बहुत कुछ छोड़ दिया था, लेकिन जो पाया, वो बहुत गहरा था। उन्होंने हमें बताया कि दुख का कारण कहीं बाहर नहीं है, वो तो हमारे ही अंदर बैठा है। हमारी उम्मीदें, हमारी जिद, हमारी पकड़ ही हमें दुखी करती हैं।

जब मैं ये बात पहली बार समझा, तो लगा जैसे किसी ने आइना दिखा दिया हो। कितना कुछ हम अपने मन में पाले रहते हैं — पुरानी बातें, पुराने ग़म, अधूरी ख्वाहिशें। और फिर कहते हैं कि चैन नहीं मिल रहा।

बुद्ध ने कोई चमत्कार नहीं दिखाए थे। उन्होंने बस सच बोला, और सच की राह पर चले। और यही बात सबसे बड़ी बात है। आज जब सब कुछ नकली सा लगता है, तो बुद्ध की सादगी हमें असलीपन का एहसास कराती है।

हर बार जब बुद्ध पूर्णिमा आती है, मैं खुद से एक वादा करती हूँ — इस बार थोड़ा और धैर्य ,रखूँगी, थोड़ा कम बोलूँगी,थोड़ा ज़्यादा सुनूँगी। और यकिन मानिए, ये छोटे-छोटे वादे ही धीरे-धीरे जिंदगी बदलते हैं।

इस बार 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा है। अगर आप चाहें, तो इस दिन को सिर्फ एक दिन ना मानें। इसे अपने भीतर झाँकने का मौका बनाएं।

कोई पूजा ना करें तो भी चलेगा, कोई दीपक ना जलाएं तो भी कोई बात नहीं। बस थोड़ी देर शांत बैठ जाइए और खुद से पूछिए — क्या मैं ठीक हूँ? क्या मैं संतुलित हूँ? क्या मैं ज़रूरत से ज़्यादा तो नहीं चाह रहा?

बुद्ध की सबसे बड़ी सीख यही है कि सुकून बाहर नहीं, अंदर है। और जब आप ये बात सच में समझ जाते हैं, तो ना कोई चीज़ बहुत बड़ी लगती है, ना कोई दुख बहुत भारी।

इस बुद्ध पूर्णिमा पर कुछ बड़ा मत कीजिए। बस छोटा-सा काम कीजिए — मुस्कुरा दीजिए, किसी को माफ़ कर दीजिए, या फिर खुद को थोड़ा गले लगा लीजिए।कभी-कभी छोटे कदम ही सबसे लंबी यात्रा की शुरुआत होते हैं।

सीमा कुमावत (मारवाल)

नेकी कर दरिया में डाल

''नेकी कर दरिया में डाल''

लोक व्यवहार में यह कहावत अच्छी सोच के लिए एक अच्छी सीख है। इस कहावत को आध्यात्मिक भी बनाया जा सकता है।

''नेकी कर, नेकी का अवसर देने के लिए उपकार मान'' यदि यह अपनी सोच हो जाये तो हमारा जीवन बदल जायेगा। क्योंकि हम हमारे द्वारा की गई भलाई के लिए दूसरों से अहसान की आशा करते हैं। जिससे हमारे चेतना का स्तर बहुत कम रहता है तद्नुसार मन में प्रसन्नता की दर भी कम रहती है।

परन्तु जब हमारा दृष्टिकोण यह हो जाता है कि जिसकी हमने भलाई की उसका अहसान हमें मानना चाहिये, क्योंकि उसने हमें भलाई करने का अवसर दिया। जिसकी हमने भलाई की उसका अहसान हमें भलाई करने का अवसर देने के लिए मानते हैं तब हमारे चेतना का स्तर बहुत ऊँचा हो जायेगा एवं तद्नुसार हमारी प्रसन्नता की दर भी बहुत ऊँची जायेगी।

इस प्रकार हमारा दृष्टिकोण एवं सोचने का तरीका ही अर्थ का अनर्थ कर देता है।

-एस आर सिंघाटिया

Created by Universal Document Converter

वहाट्सएप को यूं निखारे

जमाना है सोशल मीडिया का तरीके हैं कई आजमाने के फरेब से भरा है ये सारा जहां मंत्र है कई घोखे खाने के।

जी हां, इस युग में तो पैदा होते ही दुनियाभर के गेजेट्स आपसे अपना संपर्क बना ही लेते हैं। हंसाने, रूलाने से लेकर भोजन कराने तक में ये गेजट्स बच्चों के लिए बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। समय की कमी, काम की अधिकता मजबूर कर ही देती है पेरेंट्स को कि वो आया के साथ-साथ अपने बच्चे को मोबाइल के हवाले भी कर ही देते हैं।

इस तरीके से पलने-बढ़ने वाले बच्चे अपनी ही दुनिया में सामंजस्य बिठा लेते हैं बाकि से तारतम्यता नहीं बन पाती। यह तो एक मात्र उदाहरण है सोशल मीडिया से घुलने का। स्कूल आते-आते तो ऐसा लगता है कि मोबाइल, जिंदगी बन गये हो तुम।

टीनेजर्स व्हाट्सऐप पर चेट करने में एकदम आलम आरा होते हैं दोनों हाथों की अंगुलियां क्षणभर में जवाब सवाल सब कर देती हैं और बड़ी बेफ्रिकी से चेट को अंजाम दे दिया जाता है। गुड मोर्निंग से लेकर गुड नाईट तक सारा ताना-बाना इसी पर बुना जाता है।

ये तो रही बच्चों की बात जिनका जीवन मोबाइल के साथ है कई बार तो ये खबरें भी पढ़ने को मिलती है कि फलां बेटे ने अपने पिता को मारा-पीटा यहां तक की उसकी जान भी ले ली क्योंकि बेटे को पिता या माता ने मोबाइल पर खेलने से रोका।

जहाँ तक बड़ों का सवाल है अक्सर वाट्सएप पर ग्रुप एडमिन की मनाही के बाद भी गुड मॉर्निंग गुडनाइट मैसेज रोके नहीं रुकते। जितने भी ग्रुप किसी खास मकसद को लेकर बनाए जाति है वे कभी अपने उद्देश्य में सफल नहीं होते। यहां तक की उस पर अनावश्यक खींचतान चलती है जो समझदार सदस्य होते हैं वे चुप्पी साधे रहते हैं।

कई तो इतने जोश में होते हैं कि ये कहने से भी नहीं चूकते की हिन्दू असली हो तो अभी का अभी दस ग्रुप में फलां मैसेज भेजो। ऐसे मैसेज भेजने वालों को यहाँ तक नहीं पता होता कि वाट्सएप की अपनी मर्यादाएं हैं ये सूचनाएं सार्वजनिक रहती हैं किसी धर्म, जाति या समुदाय पर सीधा कटाक्ष करना अपराध की श्रेणी में आता है और मैसेज आँख मीच कर सरकुलट करने से पहले फैक्ट चेक करना होता है, ऐसी जहमत तो उठानी ही नहीं होती।

आइये, चर्चा करते हैं कुछ टिप्स पर जो वाट्सएपे को निखार सकते हैं।

(1) सर्व प्रथम हमें ग्रुप का उद्देश्य और विषय वस्तु निश्चित की जानी चाहिए।

(2) हर सदस्य के लिए कुछ नियम व मार्गदर्शन अवश्य निश्चित होने चाहिए।

(3) सदस्यों की सक्रिय भागीदारी व सहयोग तय करना चाहिये।

(4) किसी भी प्रश्न या बात के समाधान हेतु वोटिंग, क्विज या मर्यादित प्रश्नोतरी अथवा चर्चा होनी चाहिए।

(5) वार्तालाप का प्रकार या टॉपिक फिक्स होना चाहिए। महत्वपूर्ण संदेशों पर पिन का ऑप्शन होना चाहिए।

(6) सकारात्मक भाषा व वातावरण में बातचीत करनी चाहिए।

(7) वाट्सएप फीचर्स का सही सदुपयोग होना चाहिए।

(8) टॉपिक या विषय से संबंधित चित्र, फोटो या वीडिया डाले जाने चाहिए।

(9) लगातार ग्रुप की गतिविधियां, क्रिया कलाप को जाँचा जाना चाहिये।

(10) उक्त विषय या टिप्स पर यदि अमल होगा तो वाट्सएप की उपयोगिता सार्थक होगी अन्यथा हम उद्देश्यहीन होकर भटकते रहेंगे।

- भारती तोंदवाल

गीता तथा भरतमुनि का नाट्य शास्त्र यूनेस्को की सूची में

विश्व धरोहर दिवस पर यूनेस्को ने श्रीमद्भगवतद गीता और और भरत मुनि के नाट्य शास्त्र की पाण्डुलिपियों को यूनेस्को की 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर' में शामिल किया है। इसे मिलाकर भारत की 14 दस्तावेजी धरोहरें इसमें शामिल हो चुकी हैं। यह हम भारतीयों के लिए गौरव का विषय है तथा हमारी सनातन बुद्धिमत्ता और संस्कृति को वैश्विक मान्यता का अवसर है।

गीता-महाभारत के भीष्म पर्व का गीता एक हिस्सा है। इसमें 18 अध्याय तथा 700 श्लोक हैं। जो महाभारत की युद्ध भूमि में कृष्ण द्वारा अर्जुन के विशाद को दूर करने के लिए दिए गए उपदेश माने जाते हैं। इनकी सारभौमिक सारर्थकता जग जाहिर है।

नाट्यशास्त्र-दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में संकलित भरत मुनि का नाट्य शास्त्र में 36 हजार श्लोक हैं। इसे नाट्य वेद की संज्ञा दी जाती है। इसमें निहित रस को साहित्य और कला का मूल तत्व बताया जाता है। अभी यह भण्डारकर ओरियन्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट में संरक्षित किया हुआ है।

Created by Universal Document Converter

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

19 मार्च श्री सत्यनारायण कुमावत (मुंदोल्या), झोटवाड़ा, जयपुर
20 मार्च श्री जगदीश नारायण नीमिवाल, सांगानेर, जयपुर
21 मार्च श्रीमती सरोज देवी पत्नी श्री मुकेश बबेरीवाल, निवारू रोड, जयपुर
25 मार्च श्री गणेश नारायण कुमावत, लालकोठी स्कीम, जयपुर
26 मार्च श्रीमती शांतिदेवी मारवाल पत्नी श्री सीताराम, साईंवाड, शाहपुरा
27 मार्च श्रीमती नर्मदा देवी पत्नी स्व.सूवा लाल मारोठिया, सोडाला, जयपुर
27 मार्च श्रीमती आशा वर्मा पत्नी श्री रवि कुमार किरोड़ीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
29 मार्च श्रीमती मोहिनी देवी पत्नी श्री शिंभुदयाल मनेठिया, छारसा, शाहपुरा
30 मार्च श्री प्रभातीलाल बिंवाल, मलिकपुर (तोरण), गोविन्दगढ़
31 मार्च श्रीमती गुलाबदेवी पत्नी स्व. श्री दयालचंद राणोलिया, निवारू रोड, जयपुर
5 अप्रेल श्री महेश वर्मा (अनावड़िया), कबीर टेंट हाऊस, जयपुर
5 अप्रेल श्री चन्द्रकांत खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
5 अप्रेल श्रीमती माधोदीव (मधु) पत्नी श्री नन्छीलाल मामोड़िया, लालपुरा, जयपुर
10 अप्रेल श्री शंकर लाल कुदाल, रलावता वाले
10 अप्रेल श्री मोतीलाल कुलचानियां, झोटवाड़ा, जयपुर
14 अप्रेल श्री दीपचंद सोला, मुरलीपुरा, जयपुर
16 अप्रेल श्री भगवान दास भौरोदिया, लालकोठी योजना, जयपुर
18 अप्रेल श्री गोविन्द सिंह अजमेर, अटल भवन वाले, जयपुर
20 अप्रेल श्री घीसूलाल एवं श्रीमती सीताबाई पालड़िया, मानपुरा, चित्तौड़गढ़

Created by Universal Document Converter

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
प्रमोद	M.Com.	Pvt Ltd. Sales	21.11.92	5'6''	खोवाल	बबेरीवाल	कारगवाल	बालोदिया	7790827021	जयपुर
विकास	B.com. CA	Sr. Manager Kotak Bank	29.5.95	5'6''	मुडंनिया	जायलवाल	देवतवाल	दम्बीवाल	9414668111	जोधपुर
हेमंत	B.com. CA	MNC Comp.	23.10.97	-	घोड़ेला	बासनीवाल	मारोठिया	मारवाल	7849827966	जयपुर
सौरभ	B.Tech. IIM	Mang. Paytm Ltd.	2.10.96	5'10''	सारड़ीवाल	राजोरिया	कारगवाल	सिरस्वा	9929070311	जयपुर
धीरज	B. Com.	Garments	17.1.93	5'6''	जलान्दरा	भोरोदिया	अनावड़िया	बेरी	9009099068	इंदोर
मोहित	B.Com.(CSE)	Eng, in Mahindra	10.12.98	5'9''	नीमीवाल	घोड़ेला	दादरवाल	मारोठिया	8233569386	जयपुर
किशन	B.Tech.,M.Tech.	XEN, NTPC	24.6.98	5'10''	बड़ीवाल	जलान्दरा	मारवाल	खण्डारिया	9602642503	जयपुर
श्रीकान्त	B. Pharma.	Pvt. Ltd.	8.3.96	5'9''	बेडवाल	देवतवाल	मारवाल	गैदर	9950442569	जयपुर
सचिन	B.Sc.	Station Master Rly.	19.11.96	6'0''	सारड़ीवाल	धुंधारिया	घोड़ेला	काम्या	9465909662	फुलेरा
डॉ. अनिल	MBBS	Doctor	28.10.96	5'8''	देवतवाल	कारगवाल	उज्जीवाल	जलान्दरा	7737436044	कुचामन
सुरेश	B.Tech. (CS) IIT	Soft. Eng. MNC	22.8.94	5'10''	तूनवाल	नागा	घोड़ेला	पारमवाल	9473517680	सीकर
दीनेश	B.Tech. MNIT	HPCL	26.9.96	5'10''	बरान्डवाल	खोवाल	खरनारिया	दम्बीवाल	9413285291	जयपुर
रचित	B. Tech.	Job in Pvt. Ltd.	26.7.94	5'8''	टांक	खोरानिया	बबेरीवाल	मंडावरा	9351767706	उदयपुर
जीतेन	M.Com.	Businesss online & offline	1.5.94	5'6''	अजमेरा	हन्या	सुल्या	लोहरवाड़िया	8905617797	जयपुर
कृष्णा	12th	Private	27.7.96	5'9''	धमुनिया	मारोठिया	चुन्दनवाल	कुंडलवाल	9828103125	जयपुर
रिषभ(तलाकशुदा)	Mechanical Eng.	Self Business	2.2.94	5'10''	कारगवाल	दोराया	बालोदिया	घोड़ेला	9119224707	जयपुर
छविकान्त	B.com.	Pvt. Job	20.4.96	5'8''	किरोड़ीवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	घोड़ेला	9351383277	जयपुर
विकास	ITI	Fabrication	21.8.92	5'6''	पारमवाल	घोड़ेला	लोहरवाड़िया	खाटूवाल	9351007736	ब्यावर
देवेन्दर	M.Com., CISA	Pvt. job in dubai	28.6.97	5'6''	तूनवाल	घासोलिया	निरानिया	बबेरीवाल	9784380854	झुंझुनूं
दिलीप(तलाकशुदा)	MBA	Genpact	23.10.86	5'10''	मामोडिया	कुंडलवाल	माचीवाल	बालोदिया	978202737	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
नीतू	M.A.	-	15.9.94	5'2''	सिरोहिया	अजमेरा	धुंधारिया	कापोला	8302341694	जयपुर
लक्षता	B.Tech. (Civil)	AEN Govt Dep.	13.9.95	5'6''	खाटूवाल	घोड़ेला	भौरोदिया	कैक्ट्या	9468587369	जयपुर
तरुणा	MBA. HR Fin.	Hdb Finance	1.3.97	5'4''	कुण्डलवाल	बबेरवाल	जायलवाल	कुकरवाल	9414077676	कोटा
शालू(आरती)	B.Sc.	-	17.11.2000	5'3''	बैरा	बारावाल	राणोल्या	खोरानिया	9829295710	जयपुर
कनिका(हिमाद्री)	B. Fine Art M.Com	-	16.6.99	-	घोड़ेला	दोराया	जलांधरा	खोवाल	8239404148	फुलेरा
सपना	M.Com.	-	25.11.03	5'2''	रेवाडिया	जलांधरा	मोरवाल	मारवाल	9784361751	चौमूं
ममता	M.Com., FBI	ICICI	24.11.95	5'4''	बबेरवाल	नोखवाल	दोराया	घोड़ेला	9768733512	मुम्बई
सीमा	B.E. (CS)	MNC	4.3.90	5'2''	निरानिया	मारोठिया	धुंधारिया	घोड़ेला	9823642861	सीकर
वर्षा	M.Com., B.Ed.	-	24.2.93	5'1''	सिरोहिया	सिरस्वा	भोरोदिया	खोवाल	9828999822	जयपुर
डॉ. आयुषी	BDS	P.G.	7.1.98	5'3''	घोड़ेला	राठौड़	गठेलीवाल	टॉक	9924135529	सूरत
डॉ. पूजा	MBBS	ESIC	29.1.97	5'1''	बेडवाल	माराठिया	राहोरिया	दम्बीवाल	9314640321	जयपुर
शिवानी(मांगलिक)	B. Design	-	2.2.99	5'2''	जलांदरा	सरोडिया	आईथान	जेठीवाल	9425053799	इंदौर
आयुषी(मांगलिक)	PG, MBA.	Pvt. Ltd.	1.8.95	5'4''	सुखडीवाल	सारड़ीवाल	उदयवाल	नेमीवाल	9001090778	जयपुर
CAसपना	B.Com.,CA.	MNC Banglore	17.6.95	5'1''	बेडवाल	मारोठिया	राहोरिया	दम्बीवाल	1914640321	जयपुर
भावना	B.Sc.	Digital Marketing	9.1.98	-	सिडाड	जलान्दरा	रेनीवाल	डूंगरवाल	6367632431	राजसमन्द
क्रतीका	B.Sc.	-	8.12.95	5'3''	मोरवाल	–	भोरोदिया	निवाल	9001783621	उदयपुर
हर्षिता	M.A.	-	28.10.02	5'6''	झुझुनोदिया	गेदर	राहोरिया	कुदाल	9078249300	ब्यावर
महिला	M. Sc. Pursuing	PhD IIM Faculty DAVV	12.5.2000	5'4''	घोड़ावट	चांदोरा	मारू	क्रीकाट	9993106422	धार (म.प्र.)
पारूल(मांगलिक)	B. Tech.(CS)	MNC	6.5.95	5'4''	घमेरिया	बारावाल	बबेरीवाल	दम्बीवाल	9571188709	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

Created by Universal Document Converter

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mail:kumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/30 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

Created by Universal Document Converter

श्रद्धांजलि

तृतीय पुण्यतिथि 21 अप्रेल 2025

स्वर्गवास 21.04.2022

स्व. श्री चन्द्र प्रकाश अजमेरा

हम सब परिवारजन अश्रुपूरित
श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : गौरव अजमेरा-मीनू अजमेरा
पुत्री-दामाद : उर्वशी-राजेन्द्र बालोदिया, दोहिता : आकाश
पौत्री : किशिका, किन्जल एवं समस्त परिवारजन एवं मित्रमण्डल

निवास : डी-219, मालवीय नगर, जयपुर
मो. 9829488824

श्रद्धा सुमन

अष्ठम् पुण्यतिथि 7 मई 2025

स्व. श्री भंवरसिंह वर्मा (भदाणियाँ)

सहायक नगर नियोजक (सेवानिवृत्त) जयपुर
पुत्र स्व. श्रीमती छुट्टन देवी एवं स्व. श्री किस्तूरचन्द भदाणियाँ (उप वास्तुविद)
सुपौत्र स्व. श्रीमती गुलाब देवी एवं स्व. श्री रामसहाय मिस्त्री

आप हमारे प्रेरणास्त्रोत व मार्गदर्शक बनकर
सदैव हमारे हृदय में रहेंगे।

श्रद्धानवत् श्रीमती भंवरी देवी (पत्नी)
उमराव सिंह-प्रेमलता, अशोक-बीना (भ्राता-भ्रातावधु)
राजसिंह-सुनीता, सज्जनसिंह-तारा (पुत्र-पुत्रवधु)
निखिल (इंजिनियर), अखिल (आर्किटेक्ट), नमन (पौत्र) एवं समस्त भदाणियाँ परिवार

फर्म : राजसिंह वर्मा - 9414238799 • स्वास्तिक डायमण्ड - 9829611108
राज एसोसिएट्स - 9252195252 • ड्रीम हाउस मेकर्स - 9782649995
पता : 454, सुन्दर का बास, मिश्र राजाजी का रास्ता,जयपुर मो.: 9782996440

श्रद्धांजलि

स्व. श्री आनंदलाल जी कुमावत (रेणीवाल)

भूतपूर्व भारतीय वायुसेना अधिकारी
जन्म दि. 30.9.1935 प्रभुमिलन दि. 14.4.2021

स्व. श्रीमती शारदा देवी कुमावत (रेणीवाल)

जन्म दि. 3.8.1940 प्रभुमिलन दि. 26.4.2020

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्र वधू: डॉ. पी.एम. कुमावत-श्रीमती रेनू कुमावत, डॉ. डी.एम. कुमावत-श्रीमती विनिता कुमावत,
पौत्र : डॉ. पर्व कुमावत एवं लविश कुमावत,
पौत्री-दामाद : डॉ. पंखुरी कुमावत- डॉ. सुरेश शेनवी एवं डॉ. गीतांजली कुमावत-डॉ. नितीश माथुर, **नाती :** प्रथम शेनवी

बी-21/4, महानन्दा नगर, उज्जैन (मध्य प्रदेश)

Rakesh Sirohiya

Harinarayan Premraj

Manufacturers & Suppliers

Sandal Wood, Rose Wood, Abony & Plain Wood Articals,
Silk, Paper, Gem Stone, Marble Painting, Agarbatti etc.

Near Hotel Rajputana Palace Shereton, Digamber Jain Temple,
Railway Station, Jaipur-302006 (INDIA)
Ph.: 0141-2374530 | Mob.: +91 9829405503
Email : harinarayanpremraj@gmail.com

श्रीमती सोनिया (सोना)

एवं

चैनसुख बड़ीवाल (रोहित)

(आयकर एवं जीएसटी कन्सलटेन्ट)

के विवाह की 19वीं वर्षगांठ

20 अप्रेल, 2025 पर हार्दिक बधाई !

शुभेच्छु

ताईजी-ताऊजी : श्रीमती कृष्णा-सी.एम. बड़ीवाल (दुर्गापुरा, जयपुर)

माता-पिता : श्रीमती लाली देवी-स्वं श्री प्रेम चन्द जी बड़ीवाल

भैया-भाभी : मुकेश-रंजना, कैलाश-दीपिका, लोकेश-चित्रा, नितेश-अन्नू

पुत्र : हेमनत-रोहन, हर्ष, गवीन, गप्पू, पुत्रियां : हर्षिता, नव्या, डोला, लवी

ससुराल पक्ष

माता-पिता : स्व. श्रीमती भंवरी देवी-स्व. श्री भंवरलाल जी मारोठिया

भैया-भाभी : किशन-निर्मला, ओम प्रकाश-रिद्दी, अशोक-विजय लक्ष्मी मारोठिय

पता : 52, राणा प्रताप नगर, ब्रज बाल स्कूल के पास, झोटवाड़ा, जयपुर

फर्म : बड़ीवाल टैक्स एण्ड लॉ एसोसिएट्स

(Tax & Finance Consultants)

रिको रोड, दहमी बालाजी स्टैण्ड, अजमेर रोड, बगरू, जयपुर

दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड, दहमीकलां बालाजी, बगरु, जयपुर मो. 9929012957, 9782292982

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

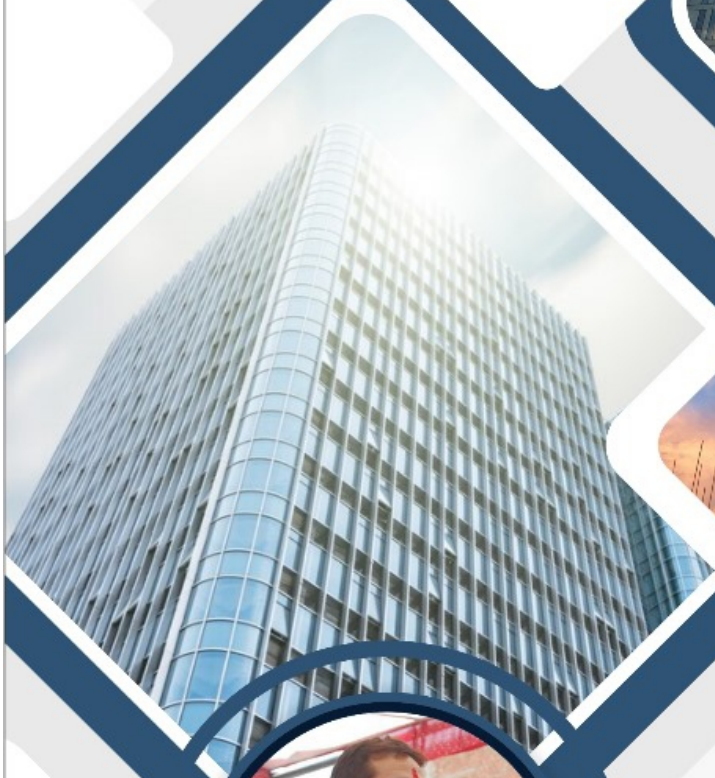

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

ADMISSION OPEN

Vijay Anand
International Academy

Vill. AkedaChoud, Via-Jahota. Tah. Rampura Dabri, Distt. Jaipur (Raj) - 303701 Call 9460852525

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक : कमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस.एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018